

'अगला महाकुंभ यमुना व गंगा की रेतीली बालू पर होगा?'

लद्दाख के क्लाइमेट एकिटिविस्ट सोनम वांगचुक ने चेतावनी दी

-डॉ. सतीश मिश्र-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। अमेरिका के दूर से लौटे क्लाइमेट एकिटिविस्ट सोनम वांगचुक ने चेतावनी दी है कि अगर पिछले ग्लोशियर को रोकने के लिए कदम नहीं उठाए गए तो अगला कुंभ रेत पर होगा, क्योंकि नदियाँ सूख तक तक होंगी। सोनम अमेरिका यात्रा के दौरान वांगचुक अपने साथ लद्दाख के एक ग्लोशियर के बर्फ को ढुकड़ा ले गए थे।

प्रधानमंत्री को लिख लेव पत्र में लद्दाख के इस क्लाइमेट एकिटिविस्ट ने आग्रह किया है कि इस मसले पर भारत को अगणी भूमिका निभानी चाहिए।

वांगचुक ने दिल्ली में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस कर लाया कि धान स्थिति की गंभीरता की ओर धीर्घ स्थिति की और कहा, अगर ग्लोशियर का संरक्षण नहीं किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जाएंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

डॉनल्ड ट्रम्प ने इंटरनेशनल अकाउंट ऑफ अमेरिका को लाइवर चैन से अमेरिका को हाला लिया है। ऐसे में उम्मीद है कि मोदी अगणी भूमिका निभाएंगे और पिछले ग्लोशियर के खतरे पर विश्व जनमत निर्माण करेंगे।

- वांगचुक के अनुसार, जिस तीव्रता से "ग्लोशियर" (हिम गंगा) पिघल रहे हैं, हमारी दोनों पवित्र नदियाँ, गंगा व यमुना सूख जायेंगी, क्योंकि हिमालय से निकले इन ग्लोशियर से ही दोनों नदियों का उद्गम होता है।
- वांगचुक ने प्र. मंत्री को लिखे खुले पत्र में यह भी लिखा है कि, हिमालय पर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बर्फ (आइस व स्नो) का भण्डार है, आर्कटिक व अटार्कटिक के बाद। अतः भारत को विशेष ध्यान देना चाहिये, ग्लोशियर के बर्फ को ढुकड़ा ले गए।
- वांगचुक ने हाल ही में यू.एन.ओ. के न्यूयॉर्क स्थित मुख्यालय को लेशियर की तीव्र गति से पिघलने की स्थिति पर संबोधित किया था तथा उनके भाषण के दौरान लद्दाख के खार्दुग ला क्षेत्र से लाया गया लेशियर की बर्फ का ढुकड़ा भी स्टेज पर रखा गया था। यह जानने के लिये कि कैसे भाषण के दौरान भी लेशियर की बर्फ का पिघलना उसी तीव्र गति से जारी है।

वांगचुक, जोकि हिमालय के गया था।

ग्लोशियर के संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं, हाल ही में लद्दाख से दिल्ली आए। और पिछले वर्षों से अमेरिका गए थे अपने साथ खार्दुग ला के ग्लोशियर की बर्फ का ढुकड़ा भी ले गए। यह ढुकड़ा एक कंटेनर में पश्मीना ऊन में लपेट कर रखा

ईस्ट रिवर में प्रवाहित कर दी गयी। इसके ठीक एक माह बाद 21 मार्च को विश्व ग्लोशियर दिवस मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय ग्लोशियर संरक्षण वर्ष घोषित किया है।

वांगचुक जब ग्लोशियर पर बोल रहे थे तब उनके पास रखी थी, जो संकेत था कि वार्ताएं चल रही हैं और ग्लोशियर पिघल रहे हैं।

भारत में वांगचुक ने बताया कि खार्दुग ला के ग्लोशियर से बर्फ को लेने के लिए कुछ किलोमीटर चलना पड़ा। खार्दुग ला लेह, इससे 5,359 मीटर ऊंचाई पर है और विश्व का सबसे ऊंचा दर्दा है, जहाँ से योरु गुरुर सकती है।

वांगचुक ने कहा, विश्व का बर्फ दर वर्ष ग्लोशियर में बढ़ता है और विश्व का प्रवाह वर्ष में कहा कि लोकसभा की अपील की सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, एनएचएआई की ओर से अधिकारियों से संबंधी पाठक ने अपनी भूमिका निभाने की अपील की।

वांगचुक ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि लोकसभा संसंक्षण वर्ष में प्रधानमंत्री को ग्लोशियर के संरक्षण के लिए एप्रिल को लाइवर जायेगा। उन्होंने कहा कि आर्कटिक व अटार्कटिक के बाद सबसे ज्यादा बर्फ हिमालय में है तथा इसकी वजह से उसे "तीसरा श्वर" भी कहा जाता है।

वांगचुक, जोकि हिमालय के गया था।

यह बर्फ पहले दिल्ली के यू.एन. पर है, हाल ही में लद्दाख से दिल्ली आए। इसके बाद और पिछले वर्षों से अमेरिका गए थे अपने एन.आई.टी. में हॉवर्ड केनेडी स्कूल गए और न्यूयॉर्क के यू.एन. मुख्यालय गए। और न्यूयॉर्क के यू.एन. मुख्यालय गए।

उन्होंने कहा कि आर्कटिक व अटार्कटिक के बाद सबसे ज्यादा बर्फ हिमालय में है तथा इसकी वजह से उसे "तीसरा श्वर" भी कहा जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने एनएचएआई से अतिक्रमण हटाने की तथ्यात्मक रिपोर्ट माँगी

जयपुर, 25 फरवरी। यजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर-अजमेर हाईकोर्ट पर खाली ग्लोशियर के लिए एनएचएआई को मंशा जारी है। वहाँ, एनएचएआई की ओर से अदालत को मोक से एक विशेष अतिक्रमण हटाने की जानकारी दी। इस पर अदालत ने एनएचएआई को 18 मार्च को अतिक्रमण हटाने की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस

इन्हजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा

स्टालिन ने एक और राजनीतिक बम फोड़ा!

स्टालिन के अनुसार, "डीलिमिटेशन" की साजिश से उत्तर भारत, दक्षिण की सीटों कम करना चाहता है संसद में

सरकार सदन नहीं चलाना चाहती -पायलट

विधानसभा के पश्चिमी द्वार पर धरना दे रहे कांग्रेस विधायकों को पायलट ने संबोधित किया

जयपुर, 25 फरवरी। विधानसभा में चल रहा गतिरोध मंगलवार को भी बना रहा। विधानसभा के पश्चिमी द्वार पर कांग्रेस विधायकों ने जमकर विश्व प्रदर्शन और धरना दिया। धरना स्थल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टॉकिं विश्वाकर संबंध पायलट ने कहा कि सरकार खुद ही सदन नहीं चलाना चाहती है। ऐसे में उम्मीद है कि मोदी अगणी भूमिका निभाने की होगी। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

डॉनल्ड ट्रम्प ने इंटरनेशनल अकाउंट ऑफ अमेरिका को लाइवर चैन से अमेरिका को हाला लिया है। ऐसे में उम्मीद है कि मोदी अगणी भूमिका निभाएंगे और पिछले ग्लोशियर के खतरे पर विश्व जनमत निर्माण करेंगे।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जायेंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोगी होगा।

धरने के बाद, कांग्रेस ने सदन को लॉक कर दिया। अग्रह किया तो हमारी वार

